7. Examine the gendered dimensions of nationalism. How are national identities constituted through gendered narratives and practices?

राष्ट्रवाद के लिंग आधारित आयामों परीक्षण करें। किस प्रकार राष्ट्रीय पहचान लिंग आधारित आख्यानों और प्रथाओं के मध्यम निर्मित होती है?

8. How do feminist perspectives critique and reconceptualise dominant notions of security in International Relations theory and practice?

अंतर्राष्ट्रीय संबंधों में प्रचलित सुरक्षा की अवधारणा की नारीवादी दृष्टिकोणों द्वारा किस प्रकार पुनर्व्याख्या और आलोचना की जाती है?

9. Analyze the impact of gendered analyses on foreign policy formulation and diplomatic engagement within international politics.

अंतर्राष्ट्रीय राजनीति में विदेश नीति निर्माण और कूटनीतिक प्रक्रियाओं पर लिंग आधारित विश्लेषणों का क्या प्रभाव पड़ा है?

10. Critically assess the differentiated gendered experiences of war and conflict. How have feminist scholars theorised the roles, representations, and consequences of war for women and other marginalized groups?

युद्ध और संघर्ष के विविध लिंग आधारित अनुभवों का आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए। नारीवादी विद्वानों ने महिलाओं और अन्य हाशिए पर पड़े समूहों के लिए युद्ध की भूमिका, प्रतिनिधित्व और परिणामों का सिद्धांत कैसे बनाया है?

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No.....

आपका अनुक्रमांक .....

Sr. No. of Question Paper : 6308 **J**

Unique Paper Code : 2323100011
यूनिक पेपर कोड

Name of the Paper : Gender in International Relations: Theories, Concepts and Practices (DSE)
पाठ्यक्रम का नाम

Name of the Course : **BACHELOR OF ARTS**
प्रोग्राम

Semester/Annual : VI
सेमेस्टर/वार्षिक

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 90
समय : 3 घंटे पूर्णांक : 90

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Attempt **any five** questions.
3. All questions carry equal marks.

P.T.O.

4. Answers may be written either in **English or Hindi;** but the same medium should be used throughout the paper.

<u>छात्रों के लिए निर्देश</u>

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।
2. किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिये ।
3. सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।
4. इस प्रश्न-पत्र का उत्तर **अंग्रेजी या हिंदी** किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी प्रश्नों के उत्तर का माध्यम एक ही होना चाहिए।

1. Critically examine the significance of employing gender as an analytical lens in the study of International Relations within the broader discipline of Political Science.

   अंतर्राष्ट्रीय संबंधों के अध्ययन में लिंग को एक विश्लेषणात्मक दृष्टिकोण के रूप में अपनाने के महत्व की समालोचनात्मक समीक्षा कीजिए।

2. Analyze the reciprocal relationship between gender and International Relations, drawing upon relevant theoretical frameworks and empirical illustrations.

   लिंग और अंतर्राष्ट्रीय संबंधों के पारस्परिक संबंध का विश्लेषण कीजिए, उपयुक्त सिद्धांतों और अनुभवजन्य उदाहरणों के संदर्भ में।

3. Evaluate the feminist critique of mainstream International Relations theories. How have feminist interventions transformed the epistemological and methodological orientations of the discipline?

   मुख्यधारा के अंतर्राष्ट्रीय संबंध सिद्धांतों पर नारीवादी आलोचना का मूल्यांकन कीजिए। नारीवादी हस्तक्षेपों ने इस अनुशासन की ज्ञानमीमांसीय और कार्यपद्धति संबंधी दृष्टियों को किस प्रकार पुनर्परिभाषित किया है?

4. Define the concept of hegemonic masculinity and assess its implications for the construction, legitimation, and exercise of power in global political structures.

   आधिपत्यवादी पुरुषत्व की संकल्पना को परिभाषित कीजिए और वैश्विक राजनीतिक संरचनाओं में शक्ति के निर्माण, वैधता और प्रयोग पर इसके प्रभाव का मूल्यांकन कीजिए।

5. In what ways do queer theoretical perspectives challenge the heteronormative and binary assumptions embedded in conventional International Relations scholarship?

   क्वियर सिद्धांत किस प्रकार पारंपरिक अंतर्राष्ट्रीय संबंध अध्ययन में निहित विषमलैंगिक और द्वैध लिंग धारणाओं को चुनौती देते हैं?

6. Discuss how feminist interventions have redefined traditional Political Science concepts such as the state and sovereignty within the context of International Relations.

   अंतर्राष्ट्रीय संबंधों के संदर्भ में राज्य और संप्रभुता जैसी पारंपरिक अवधारणाओं को नारीवादी दृष्टिकोणों ने किस प्रकार पुनर्परिभाषित किया है?